



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २३८]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई ८, १९७७/धाराद १७, १८९९

No. २३८]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 8, 1977 ASADHA १७, १८९९

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती हैं जिससे इस पृष्ठ अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

ORDER

New Delhi, the 8th July 1977

G.S.R. 481(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1975, namely :—

1. (1) This Order may be called Kandla Port Pilotage (Fees) Amendment Order, 1977.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. In the Kandla Port Pilotage (Fees) Order, 1975, for sub-clause (i) of clause 6, the following shall be substituted, namely :—

“(i) If a tug is used for attendance on, or pulling or pushing of, a vessel in the harbour for berthing, unberthing or shifting of the vessel to be piloted, a fee of Rs. 2,500/- per coastal vessel and a fee of Rs. 4,000/- per foreign vessel per tug shall be levied in addition to the pilotage fees or shifting charges. No such special fees shall be levied when the tug is utilised for shifting of vessel, to suit the convenience of the Port.”

[N. PGR-29/77]

V. R. MEHTA, Jt Secy

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 8 जूलाई, 1977

सा० का० नि० 481(भ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिफिटरों का प्रयोग करते हुए, काण्डला पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम काण्डला पत्तन मार्गदर्शन (फीस) संशोधन आदेश, 1977 है।
- (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. काण्डला पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1975 में, खण्ड 6 के उपचण्ड (1) के स्थान पर निम्नलिखित रद्दा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) यदि कोई कर्णनाव (टग) ऐसे जलयान के, जिसे पायलट किया जाना है, बर्थ लगाने या बर्थ छूटाने या शिफिटग के लिए बन्दरगाह में किसी जलयान के काम के लिए, या उसे खीचने या ढकेलने के लिए, उपयोग से लाई जाती है तो प्रति कर्णनाव प्रति तटबर्ती जलमान की 2500 रुपए फीस और प्रति विदेशी जलयान की 4000 रुपए फीस, मार्गदर्शन (पायलटेज) फीस या शिफिटग प्रभारों के अतिरिक्त, उद्घृहीत की जाएगी। उस स्थिति में ऐसी कोई फीस उद्घृहीत नहीं की जाएगी जब कर्णनाव का प्रयोग पत्तन की सुविधा को देखते हुए जलयानों की शिफिटग के लिए किया जाए।”

[सं० पी जी आर-29/77]

बी० आर० मेहता, संयुक्त सचिव।

मंत्रा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
भ्रीप्रत तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली सारा प्रकाशित 1977